SUBJECT WISE SYLLABUS

भूगोल

विषय I: भूगोल एक विषय के रूप में

प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक काल में भौगोलिक विचार: वेरेनियस, कांट, रेइन, हम्बोल्ट और रिटर का योगदान। रिचथोफेन और डार्विन का प्रभाव। विडेल-दा-ला ब्लाचे, एफ. रैटज़ेल आदि।

समकालीन भूगोल: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, पर्यावरणवाद, क्षेत्रीय विभेदन, स्थानिक संगठन, व्यवहारिक और अवधारणात्मक भूगोल। भूगोल में प्रत्यक्षवाद। मानवतावादी भूगोल। मार्क्सवादी भूगोल और आलोचनात्मक सामाजिक सिद्धांत। भारतीय भूगोल में विकास।

विषय-2 पृथ्वी की उत्पत्ति और विकास

सौर मंडल का परिचय,

पृथ्वी की गतियाँ: घूर्णन, परिक्रमण, दिन और रात का होना; ऋतुओं का परिवर्तन; अक्षांश और देशांतर; समय का पता लगाना।

पृथ्वी का आंतरिक भाग: सामग्री की उत्पत्ति और महासागर का आधार वैगनर का महाद्वीपीय बहाव सिद्धांत, प्लेट टेक्टोनिक्स का सिद्धांत भूकंप और ज्वालामुखी, तह और दोष

पृथ्वी की उत्पत्ति: नेबुलर परिकल्पना (पुराना सिद्धांत) और बिग-बैंग सिद्धांत। महाद्वीपों, वायुमंडल और महासागरों का विकास।

विषय-3 पृथ्वी का आंतरिक भाग और महासागरों और महाद्वीपों का वितरण

पृथ्वी के आंतरिक भाग की संरचना (भूकंपीय साक्ष्यों के आधार पर), महाद्वीपों और महासागरीय घाटियों की उत्पत्ति। वेगनर का महाद्वीपीय बहाव और प्लेट टेक्टोनिक्स का सिद्धांत। प्लेटों की गति और अंतःक्रिया-ज्वालामुखी और भूकंपीयता।

विषय - 4 भू-आकृतियाँ

खनिज और चट्टानें- चट्टानों का वर्गीकरण, चट्टान चक्र। महत्वपूर्ण खनिज भू-आकृति अनाच्छादन की प्रक्रिया अंतर्जात और बहिर्जात प्रक्रियाएँ। बड़े पैमाने पर बर्बादी, भूस्खलन, नदी का काम, ग्लेशियर हवा, समुद्री लहरें आदि, मिट्टी के निर्माण की प्रक्रियाएँ।

विषय-5 जलवायु:

वायुमंडल: संरचना और संरचना। सूर्यातप और तापमान, वायुमंडलीय दबाव और हवाएँ, वायुमंडलीय नमी, चक्रवात, जलवायु का वर्गीकरण (कोपेन और थॉर्नथवेट योजना वर्गीकरण)। वैश्विक जलवायु परिवर्तन: कारण और प्रभाव।

विषय-6 जल (महासागर)

महासागर तल की भू-आकृति विज्ञान, अटलांटिक, प्रशांत और हिंद महासागर की पनडुब्बी राहत विशेषताएँ। महासागर के पानी की गति: धाराएँ, ज्वार और लहरें। समुद्री जमा और प्रवाल भित्तियाँ।

विषय-7 पृथ्वी पर जीवन

पर्यावरण भूगोल में दृष्टिकोण, परिदृश्य, पारिस्थितिकी तंत्र और धारणा दृष्टिकोण, मनुष्य और जीवमंडल: परस्पर क्रियाशील और गतिशील संबंध। जैव-रासायनिक चक्रों पर मानव प्रभाव।

विषय-8 भारत:

भारतीय राज्य-क्षेत्र का भौगोलिक आधार; स्थान, विस्तार, आकार और माप।

विषय-9 भौतिक भूगोल:

संरचना, भौतिक भूगोल विभाजन, जल निकासी प्रणाली और इसका विकास।

विषय-10 जलवायु, वनस्पति और मृदा

जलवायु: भारत की जलवायु को नियंत्रित करने वाले कारक

भारतीय मानसून की उत्पत्ति और तंत्र; भारत के मौसम, भारत की जलवायु का वर्गीकरण (कोपेन, थॉर्नथवेट, त्रिवार्था)

मृदा: प्रकार और वितरण (आई.सी.ए.आर.), मृदा समस्याएँ, मृदा संरक्षण

वनस्पति- प्रकार और वितरण; संरक्षण

वन्यजीव- इसका संरक्षण।

विषय-11 प्राकृतिक खतरे और आपदाएँ

भारत में कारण, परिणाम और प्रबंधन पर्यावरणीय खतरे: बाढ़, सूखा, चक्रवात, भूकंप और भूस्खलन; खतरों के प्रति मानवीय समायोजन; खतरों की धारणा और शमन; भारत में पर्यावरणीय संस्थाएँ और कानून।

विषय-12 मानव भूगोल: प्रकृति और दायरा।

मानव भूगोल की प्रकृति और दायरा, मानव भूगोल के दृष्टिकोण, नियतिवाद, पर्यावरणीय नियतिवाद, संभावनावाद, नव-नियतिवाद, पारिस्थितिकी और व्यवहारवाद।

विषय-13 लोग (विश्व और भारत)

जनसंख्या वृद्धि के रुझान और पैटर्न: जनसंख्या वितरण के निर्धारक और पैटर्न; सिद्धांत, जनसांख्यिकीय संक्रमण; मानव प्रवास, मानव विकास के पैटर्न।

विषय-14 मानव गतिविधियाँ: (विश्व और भारत)

प्राथमिक: - शिकार, संग्रह, पशुपालन (खानाबदोश और वाणिज्यिक) लकड़ी काटना, मछली पकड़ना, खनन और कृषि; कृषि पद्धतियाँ; कुछ प्रमुख फ़सलें।

द्वितीयक: - उद्योग: वर्गीकरण, स्थानीयकरण के सिद्धांत, प्रमुख उद्योग, उद्योगों में हाल के रुझान, विश्व तुलना।

तृतीयक:-(सेवाएँ)

चतुर्थक-पंचमी गतिविधियाँ

भारत में नियोजन: लक्ष्य क्षेत्र नियोजन, सतत विकास का विचार

विषय-15 परिवहन, संचार और व्यापार (विश्व और भारत)

परिवहन और संचार सड़कें, रेलवे, जलमार्ग और वायुमार्ग; तेल और गैस पाइपलाइन, राष्ट्रीय विद्युत ग्रिड। संचार नेटवर्किंग-रेडियो, टेलीविजन, उपग्रह और इंटरनेट। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार-आधार और घटक, व्यापार संतुलन, प्रमुख व्यापारिक संगठन, भारत के विदेशी व्यापार के बदलते पैटर्न, समुद्री मार्ग, अंतर्देशीय जलमार्ग, समुद्री बंदरगाह और उनके भीतरी इलाके।

विषय-16 मानव बस्तियाँ (विश्व और भारत)

अस्थिर और स्थिर बस्तियाँ, ग्रामीण बस्तियाँ: उत्पत्ति, प्रकार और पैटर्न; शहरी बस्तियाँ: शहरों की उत्पत्ति और विकास; शहरों का कार्यात्मक वर्गीकरण। दुनिया में शहरीकरण की समस्याएँ; भारत में शहरीकरण; शहरी मलिन बस्तियाँ और अवैध बस्ती। शहरों की आकृति विज्ञान; मेगा-शहरों का वितरण, विकासशील देशों में मानव बस्तियों की समस्याएँ।

विषय-17 चयनित मुद्दों और समस्याओं पर भौगोलिक परिप्रेक्ष्य

पर्यावरण प्रदूषण-भूमि, जल, वायु, शोर, वैश्विक चेतावनी, गरीबी, खाद्य सुरक्षा; सतत विकास।

विषय-18 सामान्य मानचित्रकला (प्रैक्टिकल)

मानचित्रों के तत्व और वर्गीकरण, पैमाने, मानचित्र-प्रक्षेपण, दिशाएँ, अक्षांश, देशांतर और स्थानीय और मानक समय की गणना, राहत रूपों की पहचान और विश्लेषण: स्थलाकृतिक मानचित्र और व्याख्या। मौसम-उपकरण और मौसम मानचित्रों की व्याख्या। डिजिटल मैपिंग, रिमोट सेंसिंग, दृश्य व्याख्या। डेटा का प्रसंस्करण, विषयगत मानचित्रण, विभिन्न आरेखों-बार, हिस्टोग्राम, पाई आदि द्वारा सांख्यिकीय डेटा का प्रतिनिधित्व करना। स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी: जीआईएस, जीपीएस, कंप्यूटर-सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर घटक, डेटा प्रारूप, रास्टर और वेक्टर, संपादन और टोपोलॉजी आदि। स्थानिक विश्लेषण; ओवरले, बफर और निकटता विश्लेषण।